

रोहताक में ओरल कैसर क्लीनिक शुरू
NBT न्यूज, रोहताक: PGIMS रिना डेंटल क्लीनिक में ओरल कैसर को ओरल कैसर क्लीनिक शुरू हो गया...

सांसदों के पहरे में रखे गए कांग्रेस विधायक
राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग का डर, पार्टी ने MLA पर निगरानी बनाए रखी



कैबिनेट मंत्री अनिल विज वील चेर की सहयायिता से मतदान करने पहुंचे।

राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान
राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान...



राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान



जनता की आवाज पर लिया फैसला: चौटाला



गुरुग्राम में मारे गए मजदूरों को दी गई श्रद्धांजलि

बारिश, तेज हवा से गेहूं के फसलों को नुकसान

NBT न्यूज, कुरुक्षेत्र: मिलने में विचार को तेज बारिश और नुकसान से कई जगह नुकसान हुआ।

राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान
राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान...

राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान
राज्यसभा के लिए सुबह 9 बजे से शुरू हुआ मतदान...

जनता की आवाज पर लिया फैसला: चौटाला
जनता की आवाज पर लिया फैसला: चौटाला...

गुरुग्राम में मारे गए मजदूरों को दी गई श्रद्धांजलि
गुरुग्राम में मारे गए मजदूरों को दी गई श्रद्धांजलि...

बंधक बनाकर पीटने के आरोप में धरना

NBT न्यूज, यमुनानगर: यमुनानगर जिले के बेलवांड क्षेत्र में स्टेशन केरफर प्लांट पर दो युवकों को बंधक बनाकर धरना देना...

यमुनानगर में 36 लाख की अफीम समेत चार गिरफ्तार

NBT न्यूज, यमुनानगर: यमुनानगर शहर में नरो के डिप्टी कमिश्नर पंचांग जेठ...

फतेहाबाद में गोली लगने से इस्पेक्टर घायल, जांच जारी

NBT न्यूज, फतेहाबाद: फतेहाबाद में नैशनल हाइवे के पास गोलियों से पुलिस विभाग में तैनात एक इस्पेक्टर घायल हुए...

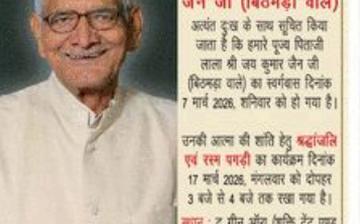
फैक्ट्री हादसा: एक और मजदूर की हुई मौत, 11 पहुंचा आंकड़ा

NBT न्यूज, जौड़: सफाई की गई गोला बालीनी में जौड़ रूप से चल रही रंग-गुलाल फैक्ट्री में...

TIMES TRIBUTE PAVING HONOR TO THE DEPARTED SOUL To book your ad Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)



श्रीमती सखी देवी मखीजा
पुण्य स्मृति में श्रीमती सखी देवी मखीजा
दिनांक: 17 मार्च 2026, मंगलवार
समय: शाम 4:00 बजे से 5:00 बजे तक
स्थान: Myst by Zora, लोधी रोड



श्रद्धांजलि
लाला श्री जय कुमार
जैन जी (विठ्ठला बाले)
अर्धशतक के साथ मुक्ति किया जा रहा है कि हमारे पुत्र विठ्ठल जी...

TIMES TRIBUTES RATE CARD
Publications Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR) 1295
TOID Full Run # + NBT (Delhi+NCR) 1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR) 780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run# 900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR) 595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR) 715
SANDHYA TIMES (Delhi) 100

दिल्ली की हवा में और सुधार, आखिरकार GRAP-1 भी हटा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

विद्युत की बरिच के बाद दिल्ली की हवा में और सुधार दर्ज किया गया। इसके बाद शीट मेट्रिक एक्सम (GRAP) के स्टेन-1 को हटा दिया गया। इस साल फाल्गुन के आखिरी दिनों में जब प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। इससे गृहमंत्रालय ने हवा की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद की है।

इस साल फाल्गुन माह प्रदूषण का स्तर कम हुआ है। इससे गृहमंत्रालय ने हवा की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद की है।

दुर्गम गंगा को 'समय' देने में आता है। पिछले एक सप्ताह से दिल्ली में AQI लगातार कम हो रहा था और हवा की स्थिति खराब से सामान्य स्तर की ओर जा रही थी।



मौसम सुधारना | सोमवार को पली ठंडी हवाओं को जगह से मौसम रात सुलगा

बारिश ने फिर सुहाना बनाया मौसम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में फिर एक दिन की हल्की बारिश ने मौसम सुहाना कर दिया। अब मौसम विभाग ने 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान जताया है। 20 मार्च के लिए विभाग ने बेसी अलर्ट भी जारी किया गया है, इस दिन हल्की बारिश के साथ तेज रफ्तार हवाएं चल सकती हैं। इस शिवाज में अगले कुछ दिनों में तेज हवाओं और हल्की बारिश के कारण दिन के तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट भी देखने को मिल सकती है। सोमवार को ठंडी हवाओं के साथ सुबह और रात को मौसम सुहाना रहा, हालांकि दिन में धूप तेज लगी। अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया 17 मार्च को भी दिल्ली में अधिकतम रूप से बादल छा रहे हैं।

नमस्ते इंडिया दही

Creamy Delicious Dahi

390 g

₹35

अब 18 से 20 मार्च तक हल्की बारिश का अनुमान

1800-123-0600 | cm@nbtg.com | www.namasteindiafoods.com

ये पिंक कार्ड बनवाना नहीं आसान... टोकन की मारामारी है, दिन पूरा खप जाना है

दिल्ली सरकार ने 2 मार्च को पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड योजना की शुरुआत की थी। जिससे महिलाएं डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त सफर कर सकें। पिंक कार्ड बनवाने के लिए 50 सेटर्स खोले गए हैं, जहां तड़के 4:30 बजे से ही महिलाओं की लंबी लाइन लग रही है। सुबह से लाइन में लगने के बाद कई महिलाओं का नंबर दोपहर बाद आ रहा है। सेटर्स पर कार्ड बनवाने में महिलाओं को क्या-क्या दिक्कतें आ रही हैं, पेश है बृजेश सिंह, सुदामा यादव, राजेश सरोहा, राम त्रिपाठी और राजेश पोद्दार की रिपोर्ट:

महिलाओं का कहना है कि ऑनलाइन मोड पर भी बनाए जाने चाहिए पिंक कार्ड



व्यवस्था से खुश नहीं दिखी महिलाएं

सुबह 7 बजे से लाइन में लगने के लिए एक बच रहे हैं, लेकिन नंबर नहीं आता है। कर्मचारी कोई औरती को रोककर बस लाइन में आने लगे हैं। सोमवार सिटीजन के लिए अलग से कोई लाइन भी नहीं है। बिटो के बाहर लाइन में लगी 75 साल की सखी बहारी यहां की व्यवस्था से बहुत अस्वस्थ महसूस करती हैं। उनके साथ लाइन में आने के लिए 3 को सोमवार सिटीजन विभाग, बहोत भी थी। पताचुड़ी से आने वाली और माधेनगर की लक्ष्मी कश्यप हैं कि इंटर दिल्ली में एक ही सेक्टर बनाया गया है।



'सुबह के समय मचती है काफी आपा-धापी'

दिल्ली के बाहरी रोड के 4 बस स्टैंडों में बिना उजाड़ पकने में एक DTC कार रोकेन तक जाने के लिए लगे हैं। सुबह की बसों का खरना करना पड़ रहा है। मध्य एक हील में पिंक कार्ड बनाने के लिए 4 डिग्री खुली है। लाइन में आने के लिए 7 बजे से ही कर्मचारी 100 टोकन लंबी लाइन बन जाती है। कर्मचारी आधा-धारी मचती हैं। दोपहर 2 बजे तक 120 से अधिक पिंक कार्ड बन चुके थे। महिलाओं ने बताया कि लाइन के बाद आराम से कार्ड बन रहे हैं।



टोकन मिलने में हो रही है दिक्कत

मैसजबर सुबह 6 बजे डीएम काउंटर में आकर कार्ड बनवाने पहुंची। मुझे 85 नंबर का टोकन मिला। रीक्विट को भी अंतिम थी, लेकिन टोकन नहीं मिला। लंबा टोकन हो गया है। मैं बाहर खड़ी आने वाली का इंतजार कर रही हूँ। यह कठिन है क्योंकि मैं रोजाने जल्दी मुझे टोकन मिले। उन्होंने कहा, मैं टोकन चलाती हूँ। मैं दिन यह आने की वजह से मुझे टोकन बन करनी पड़ी। वही, अंतिम 90 टोकन लेने में बताया कि आज उजाड़ कैसा दिन है। रीक्विट को मैं 9 बजे पहुंची थी, जब तक टोकन खाली हो रहा था।

क्या कहते हैं कर्मचारी

अंतिम 90 सेक्टर में कार्ड बनाने वाले कर्मचारियों ने बताया कि अगर सफर अच्छे से चल रहा हो तो एक दिन में 150 से भी अधिक पिंक कार्ड बन जाते हैं। लेकिन सोमवार को 130 ही टोकन बांटे गए थे। हालांकि उन्होंने बताया कि यह इसके बाद भी कार्ड बनते हैं।

सिस्टम को ऑनलाइन करे सरकार

वही, सेक्टर में मौजूद महिलाओं का कहना है कि 130 बस पूरे बन जाते, वही बचते हैं। कई लोगों को टोकन मिलने के बाद भी आने दिना ही आने को कहा जाता है। हालांकि हमने बताया कि 7 बजे भी कोई अलर्ट ले उसे टोकन नहीं मिलता। सुबह के उजाड़ महिलाएं यहां साफ़ करती रहती हैं। सरकार को इसे ऑनलाइन कर देना चाहिए, जिससे हम आसानी से कार्ड बना सकें। कई महिलाओं ने बताया कि यह ऑनलाइन से टोकन लेकर पहुंची है। कुछ ऐसे महिलाएं मिलीं, जो ऑटोपी नहीं आती जो वजह से परेशान हो रही थीं।



नंद नगरी डिप्टी कमिश्नर (विवेक) आओसिन

सिर्फ एक ही काउंटर चालू मिला

यहां काउंटर के बाहर पिंक कार्ड के बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगे हैं। साइन बोर्ड पर पिंक कार्ड से जुड़े हर एक जानकारी लिखी हुई है। यह भी लिखा है कि 5 साल से उससे अधिक उम्र की लड़कियां अपना पिंक कार्ड बनवा सकती हैं। रीक्विटेशन के लिए सिर्फ आधार कार्ड और आधार कार्ड पर रीजिस्टर्ड मोबाइल नंबर चाहिए। पिंक कार्ड बनाने के लिए लाइन में लगी कुख्या, रक्षिक और अरली ने बताया कि 5-6 महिलाओं को एक साथ अलर्ट भेजा जाता है। जब उन महिलाओं का कार्ड बन जाता है, तो फिर इसी तरह



'तड़के 4:30 बजे टोकन, दोपहर में आया नंबर'

सुबह तड़के 4:30 बजे से टोकन की लाइन में हूँ। दोपहर साढ़े दो बजे नंबर आया है। यह कहना है कि इतना की बेचारी का। यह इतना सेक्टर-2 का पिंक कार्ड बनाने आई थी। वही, मज्जु ने बताया कि अगर कोई सुबह टोकन न ले, तो रात 5 बजे तक भी कार्ड नहीं आती। सारे सेक्टरों पर मैं ही रहती हूँ। सेक्टर के बहिष्कृत ने बताया कि इस सेक्टर पर टोकन 200 टोकन जारी किए जाते हैं। सबसे अंतिम मसा-मसा टोकन लेने के लिए है। एक बार टोकन मिलने के बाद यह सुनिश्चित हो जाता है कि कार्ड बन जाएगा। इन्फॉर्मेशन लॉग तड़के 4 बजे से ही वादा लाइन में लग जाते हैं। सोमवार दोपहर साढ़े दो बजे तक इस सेक्टर में सिर्फ 13 लोगों को पिंक कार्ड जारी किए गए थे।

'लगाने पड़ गए कई चक्कर'

काउंटर के पास पिंक कार्ड बनाने के लिए काउंटर खोले गए हैं। एक काउंटर सिर्फ सीनियर सिटीजन के लिए बनाया गया है। इस काउंटर पर दोपहर के समय मुक्ति से 4-5 बुजुर्ग महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। काउंटर से पिंक कार्ड लेकर बाहर निकाली राजश्री ने पूछने पर बताया कि वह नाद मचती रहती है। पिंक कार्ड बनाने में कई चक्कर लगने पड़ गए। पहले जब काउंटर पर पहुंची तो पता नहीं मोबाइल पर मेसेज नहीं आया। इस कारण दोपहर पर जाना पड़ा। पर उसे अलार्म कार्ड बनाने पर रीजिस्टर्ड मोबाइल लेकर पहुंची तो इस बार मोबाइल पर मेसेज आ गया। बाकी लोग काउंटर पर भी 7-8 महिलाएं लाइन में लगी हुई थीं। महिलाओं ने बताया कि उन पिंक कार्ड बनाने में कितने तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। मुक्ति से 10 मिनट में उनका नंबर आ गया।

अभी 3 महीने तक बनेंगे पिंक कार्ड, चिंता न करें: CM



Chief Minister

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरी ने पिंक कार्ड सेक्टर पर चले बिटु पर बचाने वाली बरक महिलाओं को जल्दबाजी या चिंता नहीं करने की अपील की है। सीएम ने कहा कि यह कार्ड अभी तीन महीने तक बनेंगे। इस दौरान पिंक कार्ड के साथ बिटु तीन महीने तक होगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की है कि यह अलार्म से बाई बचाना। उनका पढ़ी ले सैटर्स की संख्या बढ़ाने का है। सीएम ने बचाने नहीं करते हुए कहा कि मुझे पता चल रहा है कि पिंक कार्ड सेक्टर पर बहुत बिटु है। हमने अपने लाइन में लाकर कार्ड बनवा रही हैं। महिलाओं को पिंक कार्ड बनाने को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पिंक टिकट में मुद्रा बना कर के लिए पिंक कार्ड बनने का काम अगले तीन महीने तक जारी रहेगा। इस दौरान पिंक कार्ड सेक्टर में पिंक टिकट देनी कायम होगी। बिटु भी बहुत से बिटु हैं बचाने की कोशिशें भी होनी चाहिए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं अलार्म से सेक्टर पर जाएं और अपना पिंक कार्ड बनाएं। उन्होंने विचारों को आलेखन पर कहा कि पहले बचने में मुद्रा सभर के नाम पर बंधनकारी हो रहा था। पहले 100 महिलाएं चक्र करती थीं, तो उसे एक हजार टिकटवा जाता था। अब बंधनकारी का बहुत बड़ा अर्थ है। अब 100 बचने टिकटवा करनी तो कर्मचारी को 100 टिकट के ही पैसों मिलेंगे। एक हजार करोगे तो एक हजार के मिलेंगे। बंधनकारी खुश हो रहा है तो उन लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। हमने सरकार का मानना है कि उनका बच पैसा है तो नकत की सुविधाओं में लगन चाहिए। पिंक कार्ड बनाने के लिए सेक्टर को जल्दबाजी से भी खोल दिए जायें।



ओटोपी नहीं आने की दिक्कत

डीटीसी बस डिपो पर शम करीब साढ़े 4 बजे करीब 20-25 महिलाएं पिंक कार्ड बनाने के लिए खड़ी थीं। शाम 4:30 बजे तक 152 महिलाओं को कार्ड बना दिए थे। इनमें उनकी महिलाओं को टोकन मिला था। लंबी लाइन में सुबह का टोकन से टोकन मिला था। कुछ बिटु टोकन वाली महिलाओं के कार्ड की बने, लेकिन पहले टोकन लेने वाली के कार्ड नहीं किए गए। वही, एक बुजुर्ग महिला राजकुमारी भी अपने पति के साथ दूसरी बार लाइन में खड़ी थीं। उनका कार्ड नहीं बन पा रहा था, क्योंकि उनके अलार्म से जुड़े मोबाइल नंबर पर ओटोपी नहीं आ रहा था। कर्मचारियों ने बताया कि एमपीएलएस के नंबरो पर ओटोपी अपने में सबसे ज्यादा दिक्कत आ रही है। पूरापूर में बताया कि मुझ परले 100 टोकन बांटे जाते हैं और लंबे के बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। पहले सिर्फ टोकन मिले हैं। इसके बाद अलार्म बनाया है। तो पिंक टोकन वाली को बुलाया जाता है। शाम 4:30 बजे के बाद आने वाली को अपने दिन अपने कार्ड बना जाता है। क्योंकि पिंक कार्ड बनाने वाला कर्मचारी का सफर 4-45 बजे ही बंद हो जाता है। वही, सीनियर ने बताया कि उनका कार्ड ले बन गया। कर्मचारी उन्हें तीसरी बार अपना पड़ा। पहले दो बार उन्हें बहुत बिटु मिली थी, इसलिए वह वापस चले गईं थीं।

...तो सभी महिलाओं के कार्ड बनने में लगेंगे दो साल!

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

वयो लगेगे दो साल: पिंक कार्ड 5 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं का बन सकता है। अगर सिर्फ मरतदा मुंबी में दर्ज महिला मरतदाओं को ही अंशदा ले, तो उनकी संख्या 71 लाख से अधिक है। इस तरह अगर एक सेक्टर पर टोकन 200 कार्ड ही बनते हैं, तो 50 सेक्टर पर टोकन अधिकतम 10,000 कार्ड बनते हैं। इस शिवाज से एक महीने में करीब 3 लाख और पूरे साल में लगभग 36 लाख कार्ड ही बन पायेंगे, जब भी तब जब सेक्टर को भी पिंक कार्ड बनना जारी है। ऐसे में अगर केवल महिलाएं मरतदा ही पिंक कार्ड बनवायें, तो भी इसमें लगभग दो साल का समय लग सकता है।

पिंक कार्ड बनवाने के लिए सेटर्स पर लंबी लाइन लग रही है। प्रत्येक सेक्टर पर वेनान सिनेर कार्ड बन रहे हैं, अगर रमवार पली रही तो दिल्ली की सभी महिलाओं के कार्ड बनने में दो साल से भी अधिक समय लग सकता है। कारण यह है कि दिल्ली में 72 लाख से अधिक महिला हैं। जबकि अंतिम वेनान केवल 150-200 पिंक कार्ड बांटे ही बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 50 सेक्टर बनाए हैं। प्रत्येक सेक्टर पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक कार्ड बनाए जा रहे हैं। हर सेक्टर पर महिलाओं को दो पचगो में कुल 150 टोकन दिए जाते हैं। लंबा तक 100 टोकन और उसके बाद 50 टोकन दिए जाते हैं। 16 मंच तक 1,10,416 पिंक कार्ड बन चुके हैं।

द्वारका में मजदू करती पुलिसकर्मी

द्वारका में मजदू करती पुलिसकर्मी

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | मंगलवार, 17 मार्च 2024

शक्ति को कल्पपूर्वक कायम नहीं रखा जा सकता, वह केवल समझ और सहमति से ही प्राप्त होती है।

- अल्बर्ट आइंस्टाइन

फंस गए ट्रंप

ईरान के खिलाफ अमेरिकन एफिका मुव्ही लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी कंग्रेट्रि डिजिटल ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि 'यह जंग उल्टी कर रहा है' और 'ईरान वास्तविकता के लिए जिम्मेदार है'। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा बतवात भी जो जर्मनी तक फैल चुके हैं, वह कहानी है कि ईरान की धमकियों को आकने से अमेरिकन-इराकल से चुक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलें से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होमजु स्टेट को लेकर की हैं।

दबाव की रणनीति। ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होमजु स्टेट को बतवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो सफाई पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनी बंधन जताया है। इस ब्रेकडौन पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेंसिंग को 'बतवात' दिखाकर है कि होमजु स्टेट से होकर उसका '90% तेल' जात है, और उनकी चीन बतवात टेल भी सकती है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की केवली बतवात है कि ट्रंप फ्रंट महसूस कर रहे हैं।

एकतरफा फैसला। अमेरिका और इराकल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध नर शुरु किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई गलत निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य बल इराकल करके ही उतारना नहीं दी थी, बितरि लेकर ट्रंप आज तक नर गनर कर रहे हैं।

तेल पर असर। अमेरिकन-इराकल इराकल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत रहित नहीं हुए, बितरि वह समझौते की चुक कर गए कि संघर्ष बितरिना ज्वाफ को सकता है। अब इराकल असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे बतवात तेल मार्ग बंद है। बतवात अतिरिक्तनर ने कूड अतक के तम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है।

बड़ी चुक। इराकल पर समझौते की उम्मीदें ट्रंप से अब भी नहीं की जा सकती हैं। वह तो अपने दावे पर कायम है कि ईरान समझौते करना चाहत है, जबकि नेशनल बार-बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आसामकल का जवाब दिखना चाहिए। अमेरिकी मॉडियर और वहां के कई जनता मान रहे हैं कि जाहंगीरान से बड़ी चुक हो गई। ईरान युद्ध परिचय एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आकलन और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

ऐवें कुछ भी

नैना ठग लेंगे

नैन लडु नई है तो मनका में करक होइये करी कविश्रेण ने खुले पाले आगाह कर दिख था। मेरे नैनो में करक हो गई थी, निबाराण के लिख डॉक्टर के बतवात नर लाला। जब हजर राधे की फीज जमा की तो मनका में भी धारी करक हुई। ऐसो ही एक महीने डॉक्टर ने मरीज से पूछा, 'इराकल से फरफटा हो रहा है?' मरीज ने सफर कर दिख, 'बितरिना आधे फरफटा हो रहा है, उनका नैन।'

चैर, फीज जमा करके उस एरिज में बतवात बतवात दबा टपका कर आंखों की पुनरिजा फैलाई जाती है। जगह कम थी, मरीज तह करके एक दूसरे की काल में बेवारा जा रहे थे। ऐसो में एक बतवात-बतवात की तिकड़ी बतवात हुई। अटेंटेड ने कहा कि बतवात के साथ एक ही रह सकता है। शोरी बतवात के बतवात राफ हवा कि जरूरत दोनों की थी। बतवात विशालकाय बतवात को सफालते के लिख शारीरक रूप से जरूर ही एक डॉक्टरों को बतवात समझने के लिख बतवात बतवात से।

नाल में छोटे से नैनो की थी। कूड सरगना टाडप नाम था उनका। उस करी 70 साल, साथ में बेतरी। आंखों में दबा और मन में बतवात बतवात लिए बतवात थे। आंखें बतवात थी, लेकिन हर आकल को टटोकर पते के दिग्गम का दर्शन कर रहा था, 'यह कौन आया, वहां कौन बैठा है, बितरिना कौन रहा है, कौन करक रहा है?'

अकनक लाल कि कोई 'सेवा', 'यह आकलना थी है। अब आर गमनाज प्रकट लिख से सफर कर सुनिर्ण। गौर से देखा कि एक मरीज डॉक्टर के सभने बैरकल उसी आंख में क छ ग प फटकर सुना रहा था। तौक क अटेंटेड आंख और बतवात में बैठी महिल को आंखों में दबा टपकाई। अककल कर महिल ने चट से उसकी कलवाई पर चबत लगा दी। बाद में समझ आया कि पुनरिजा फैलाने वाली दबा के असर से बेवारी उर गई थी। हम समझने जा ही रहे थे कि अटेंटेड बेला, 'अपनी बितरि बतवात, चम्पा उनको, आंख में दबा डालनी है!'

बोल वजन

चौखट पर चढ़ना

चौखट शब्द का सामन्य अर्थ दरखाने के चबे और लला लकड़ी या पत्थर का टुकड़ा है, जिसके सहारे दरवाजा टिका रहत है और जिसके भीतर से होकर हम घर में प्रवेश करते हैं। शब्द की रचना पर ध्यान दे तो 'खट' का अर्थ चार और 'खट' का अर्थ काठ। अर्थ किनाय या लकड़ी का टुकड़ा माना जात है। यही कारण है कि किनाया में उसे चौखट कहते हैं। हिंदी के सभ-सभ कई भारतीय भाषाओं में भी इसके मिलने-जुलने रूप मिलते हैं। मराठी में चौखट कहते हैं। चौखट शब्द का इराकल अला-अलग अर्थों में भी होत है। जब कहते हैं 'घर की चौखट लोचन', तो इसका अर्थ किसी परिवार की जुनिज में प्रवेश करना या उससे बाहर निकलना भी होत है। इसी तरह 'सिखा की चौखट पर जाना' सम्पन्नकर्वी किसी से मिलने या सहायता मांगने का संकेत देत है, जबकि 'अव मैं उसकी चौखट पर नहीं जाऊंगा' दाबनर स्वाभिमान का भाव प्रकट करत है। अरबी में चौखट को door frame कहते हैं। शब्द इराकल फेरो टोकर को कल लेगे चौखटा कह देत है। चौखट कहते हैं, तो दरखाने अर्थ निचम या रिवाजों से नर हटा हो जात है। 'चौखटे में नरकल होना' एक मुहावरा है, जिसका अर्थ होत है सौभाग्य से बंधा होना।



दिलीप लाल

www.nbdtmsindia.com

खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में काम करते हैं भारतीय, तेल-LPG बन सकते हैं मुद्दा इन चुनावों में भी दिखेगा ईरान का असर

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पड़ुचे में चुनाव की तारीखों का एलन ऐसे समय किया है, जब देश-दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आशंका से LPG सिलिंडर की किल्लत बढ़नी तेल कीमतें गिरना शेरार बजार और अर्थव्यवस्था पर दबाव चित बढ़ा है। ईरान और अमेरिका-इराकल तनाव के कारण कई भारतीय बतवात हैं। तमिलनाडु, केरल और पड़ुचे में तेलों लोग खाड़ी देशों में काम करते हैं, इसलिए वहां की स्थिति इन राज्यों की राजनीति और जनमानस को प्रभावित कर सकती है।

कई सवाल। इस बार फेरल मुठों के साथ वैश्विक हालात का असर भी दिख सकता है। ऐसो में कई सवाल हैं। क्या ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में चौबीर कर सत में लौटने के लिए पूरा जोर लग रही है। BJP उन्हें सत से हटाने की कोशिश में है। दोनों

के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। बंगाल की राजनीति में बरलदेश संग्राम, धरुपति और सामाजिक समीकरण अंत्य भूरे हैं। चुनावी कार्यक्रम घोषित होने से पहले ममता ने कर्मचारियों, पेशवरों और शिक्षकों के लोचन महफात भते के मुगलन का एलन किया। साथ ही पुनारिखें और मुअजिनें का मानदेय 500 से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया।

घोटालों का आरोप। BJP धरुपति, अजयनार, कानून-व्यवस्था और वेवेजारी को मुच बतवात ममता सरकार पर हमला कर रही है। शिक्षक भर्तों, कोमला और गशन शोखली को भी उखला जा रहा है। वही, ममता केंद्र पर एजेसियों के दरुगण का आरोप लगाते हुए लखी भंडार, उखकृति व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को उफलन्य बतवात रही है।

बदल रहे समीकरण। लेफ्ट और कांग्रेस के कमजोर होने के बाद बंगाल में तामूल कंग्रेस (TMC) मजबूत हुई है। इस बार BJP हो ममता को सौंपी चुनौती देनी दिखती है। लेफ्ट के कमजोर होने के बाद फूरिलम चोसट TMC की ओर गए, कूड हिंदु चोड BJP को मिले। अब असरहिंदु आंदोलनों को AIMIM और अन्य नई तकने समीकरण बदलने की कोशिश में है।

क्षेत्रीय दलों का सहारा। तमिलनाडु में BJP और कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सहारे चुनाव लड़ती हैं। यहां मुख्य कुरकला DMK और AIDMK के बीच है। जयकलित के निचम के बाद AIDMK कमजोर हुई। पनारी सेलवम के DMK में शामिल होने से पार्टी को बहा इकट्ठा लगा है। दूसरी ओर मल्लमधी एमके स्टालिन के नेतृत्व में DMK अपना गठबंधन मजबूत कर रही है। अतिरिक्त विनय की पार्टी तमिषण वेदी कंग्राम तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है।

BJP को भरोसा। केरल में LDF देश में लेफ्ट का



चुनौतियों के बीच चुनाव

कांटे की बात

विदेशी लीगों की प्रेषाद्विजियों के भारतीय मालिकों को पकिस्तानी सिलिंडरियों को खरीदने से बतवात करना चाहिए। वह जो फीस पकिस्तानी सिलिंडरियों को देते, उससे वह अपनी सरकार को इनकम टैक्स देते, जिससे उनकी सरकार हथियार खरीदेगी।

सुनील गायस्कर, पूर्व क्रिकेटर

AI की दुनिया

MedOS दुनिया का पहला रोगी मेडिकल सिस्टम है। यह बीमारी के लक्षण और टेस्ट रिजल्ट देखकर डॉक्टरों को इलाज का तरीका बताता है। इसे स्टैनफोर्ड और पिसटन युनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने बनाया है। अभी यह डॉक्टरों के साथ काम कर रहा है।

डॉक्टरों का भी 'डॉक्टर' है यह रोबोट

इस तकनीक का दूसरा हिस्सा है XR स्मार्ट गलसों। इस खास घरेसो से डॉक्टर को मरीज से जुड़ी जानकारी सैबे आंखों के सामने दिखती है। यह मरीज के शरीर का 3D मॉडल देखा सकता है।

स्मार्ट घरों और रोबोट

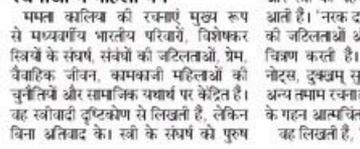
MedOS का तीसरा हिस्सा है कोलेबोरेटिव रोबोट, जो डॉक्टर के साथ मिलकर काम करता है। अभी MedOS का इस्तेमाल चतुर् टेस्ट और पैथोलॉजी में किया जा रहा है।

जनाता जयवान

एयर सिट्टी के आई स्टार्ट ने अपने क्लिनिकोमैट्री टिकट खरी

मैसजु धिया आरके पास एक मुदई-आवारा टिकट मिन सकता है?

प्रवीण सिवारी



महानगरों के लिए क्यों सही है रैपिड रेल

रैपिड रेल से दिल्ली और मेरठ के बीच का 82 किमां का सफर एक घंटे से भी कम बतवात में पूरा होने लगा। इससे महानगरों में बतवात जनसंख्या के बेशुद कम किया जा सकता है। दिल्ली में बतवात जनसंख्या दबाव का अडुपान 1956 में ही लगाव गम था। वही रोच के साथ 1985 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) प्लानिंग बोर्ड बना और फिर रैपिड रेल का विचार सभने आया।

समस्याएं सुलझेंगी

आबादी कम होगी तो महानगरों में प्रदूषण, ट्रैफिक जाम, सलम और अर्थनिक बतवात को समझ्य कम होगी। आसपास के छोटे शहरों का विकास होगा और वेगमन के अवसर बंधेंगे। दरुगण से लगे बड़े शहरों में कर्मचारी आने हें। वे बस-ट्रेन पर जखदा निर्भर हैं। भारतीय रेलवे का मुख्य काम लंबी दूरी की ट्रेने चलाना है, लेकिन उसे 100 किमां के लिख भी इंटरसिटी ट्रेने चलानी पड़ती है। इससे ट्रेने पर इंडरस्ट्री ट्रेने चलाने की जरूरत नहीं होगी। इनकी जगह

सही योजना जरूरी

रेल के सभानंतर एक्सप्रेस-ने भी है। इसकी बिना सभाने सभिति की रिपोर्ट में जतवाई है। पलियम में अन्य शहरों में रैपिड रेल बनाने से पहले यह आकलन जरूरी है कि वहां सभानंतर बतवात या एक्सप्रेस-ने न हो, नही तो खर्च बंधेगा और लाभ कम होगा।

बिना अतिवाद स्त्री मुद्दों पर लिखती हैं ममता

ममता कालिया एकांतिक आत्म-मनन और सामूहिक दयित्व सेब को अपने कलात्मक विवेक से बहिन और निरंतरता से रेखनिक करते खली रचनाकार हैं। बहुमुखी लेखिका, जिनोंने पिछले पंच दशकों से अतिक समय तक अपनी लेखनी में हिंदी कथानी, उपन्यास, कविता, नाटक, संस्मरण और निबंध जैसी विधाओं को समुद्र किया। उनके लेखनों में जिन शहरों का जिक्र आता है, उनमें इराकल (अब प्रयागरज) सबसे मुख्य है। इस शहर का अतुपन और इससे जुड़ी उनकी निचमन व्यक्तित्व जिंजी को 'जौती जो इराकलबाद' में देखा जा सकता है। आरंभ में उन्होंने ओधी में कविता लिखी, लेकिन प्रयागरज आकर रवींद्र कालिया और अन्य हिंदी बहिनसकरी - महादेवी सभ, अतुपन सभ, अतुपनक, इराकल जेशी अदि के सभके में आने के बाद वह पूरी तरह हिंदी सभित्य में समझित हो गईं।

रचनाओं में महिला मन

ममता कालिया की रचनाएं मुख्य रूप से पध्यायार्थ भारतीय परिवारों, विशेषकर सिखों के संघर्ष, संवेधों की बहिनसकरी, प्रेम, वैवाहिक जिंज, कामकाजी महिलाओं की चुनौतियों और सामाजिक सभर्षों पर केंद्रित हैं। वह स्त्रीवादी दृष्टिकोण से लिखती हैं, लेकिन बिना स्त्रीवाद के। स्त्री के संघर्ष को मुख्य

साहित्य अकादमी सम्मान पर विशेष

के संघर्ष से अलाग यह कमतर नहीं मानती, बलिक सभजनसकरी रूप से अतिक विकट बनती हैं। उन्होंने 200 से अधिक कहानियां लिखी - 11 उपन्यास, कई कविता-संग्रह, नाटक और संस्मरण दिए। वह अपने पहले ही उपन्यास 'वेध' में घर-परिवार की अतुपन और स्त्री की फलन की खोज करती नर आती हैं। 'नरक दर नरक' में वैवाहिक संवेधों की जटिलताओं और फारिसक यतनओं का चिकन करती हैं। ललकिय, एक पत्नी के नेरुड, दुःखमय सुखमय प्रेम - और उनकी अलग तामाप रचनाओं में एक मुहिणी के अंतर्गत गहन आत्मविनय को पकू जा सकता है। 'वह लिखती हैं', 'पध्यायार्थ जीवन के अपने



ममता कालिया

तमिलनाडु में BJP और कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के सहारे चुनाव लड़ती हैं। यहां मुख्य कुरकला DMK और AIDMK के बीच है। जयकलित के निचम के बाद AIDMK कमजोर हुई। पनारी सेलवम के DMK में शामिल होने से पार्टी को बहा इकट्ठा लगा है। दूसरी ओर मल्लमधी एमके स्टालिन के नेतृत्व में DMK अपना गठबंधन मजबूत कर रही है। अतिरिक्त विनय की पार्टी तमिषण वेदी कंग्राम तीसरे विकल्प के रूप में उभर रही है।

कहीं दूसरों की तारीफ हमारे भीतर अहंकार को न बढ़ा दे

व्यवहार से सभन में जो उचि कानी है, वही मनुष्य का व्यक्तिक कलवती है। जौने को तो लगे किसी भी तरह जीवन बित लेते हैं, लेकिन जब आचरण में आलसता और ज्यवहार में मधुलना शामिल हो जाती है, तब जीवन सखत और अर्थपूर्ण हो जात है। अकसर हम अपने व्यवहार का सही आकलन नहीं कर पाते, लेकिन जब अपनी गलतियों को समझने का प्रयास करते हैं, तो वही आत्मनिरीक्षण बन जात है। यही आत्मनिरीक्षण व्यक्त को आगे बतवात की दिख देता है और सफलता की पहली संधी भी बनता है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें www.speakingtree.in

रीडर्स मेल

मतदाताओं का भरोसा

16 मार्च का संवैधानीय 'आशे की चुनौती' चार राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और एक एकट्टे आसिस पड़ुचे में विचारसरणा चुनाव आगामी चुनावों की ओर ध्यान दिलवत है। ये चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति, बलिक राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी महत्वपूर्ण होंगे। चुनावी बतवात और नरक हतलसतन की बतवात रिवाज की वित्तीय स्थिति पर दबाव डाल सकता है। राजनीतिक हितों की आशंका भी बिना का निचम है। इसलिए चुनाव शांतिपूर्ण, फारदर्शी और मतदाताओं के विश्वास के अनुकूल हो।

मृगाल रोखायमी, इंपेत से

www.nbdtmsindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ भेजें।

www.nbdtmsindia.com

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in